Dainik Bhaskar (Indore), 14th September 2025, Page- 02

सिटी एंकर

दवा एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया के उपचार में फायदेमंद रहेगी, 85% तक कम साइड इफैक्ट

IIT ने विकसित की ब्लड कैंसर उपचार की सुरक्षित दवा

भास्कर संवाददाता | इंदौर

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी), इंदौर ने ब्लड कैंसर (ल्यूकेमिया) के इलाज के लिए नई दवा तकनीक विकसित की है। यह नवाचार खासकर एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (एएलएल) के इलाज में फायदेमंद होगा, जो आमतौर पर बच्चों और युवाओं को प्रभावित करता है।

अब तक एएलएल के मरीजों को एल-एस्पेरेजिनेज नामक दवा दी जाती है, जो कैंसर कोशिकाओं को आवश्यक पोषक तत्व से वंचित कर काम करती है, लेकिन इसके गंभीर साइड इफैक्ट्स हैं, जिनमें लिवर डैमेज, एलर्जी और नर्वस सिस्टम से जुड़ी जटिलताएं हैं। इन साइड इफैक्ट्स के कारण लंबी अवधि के उपचार झेलना बच्चों और उनके परिजन के लिए बेहद कठिन हो जाता है।

आईआईटी के बायोसाइंसेज एंड बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. अविनाश सोनवणे और उनकी टीम ने मौजूदा दवा का नया इंजीनियर्ड वर्जन तैयार किया है। प्रयोगशाला अध्ययनों में इस उन्नत दवा ने 85% से अधिक ल्यूकेमिया कोशिकाओं को नष्ट करने में सफलता पाई है। प्रो. सोनवणे ने बताया, इंजीनियर्ड एल-एस्पेरेजिनेज पर हमारा रिसर्च टेक्नोलॉजी ट्रांसफर के स्तर पर पहुंच गया है। ये खासतौर से भारत जैसे देश के लिए लाभदायक है, जहां कैंसर के महंगे इलाज के कारण कई मरीजों को उचित देखभाल नहीं मिल पाती।

इस खोज के फायदे

- कम साइड इफैक्ट, यानी पहले से सुरक्षित इलाज
- बेहतर प्रभावशीलता, कैंसर कोशिकाओं पर तेज असर
- अधिक स्थिरता, भंडारण और उपयोग में आसानी
- किफायती उत्पादन, जिससे दवा सस्ती और अधिक उपलब्ध हो सकेगी

कैंसर उपचार की दिशा में अहम कदम है इस दवा की खोज

अत्याधुनिक विज्ञान लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में सक्षम होना चाहिए। ये नवाचार दर्शाता है कि कैसे हमारी प्रयोगशालाओं के शोध जानलेवा बीमारियों से जूझ रहे मरीजों और उनके परिवारों के लिए उम्मीद जगा सकते हैं। यह टेक्नोलॉजी ट्रांसफर किफायती और उन्नत कैंसर उपचार को वास्तविकता बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

– **प्रो. सुहास जोशी,** डायरेक्टर, आईआईटी इंदौर